THE MINISTER OF INTERNATIONAL TRADE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI MANUBHAI SHAH). (a) and (b) A statement is attached.

STATEMENT

(a) A total quantity of 108 06 tonnes of newsprint was given to daily and weekly newspapers in the State of Jammu and Kashmir during the year 1961-62

(b) The names of the papers and the quota given to each are given below:—

	(Tonnes)
1 Aftab, Urdu daily, Srinagar	6 99
2 Amar, Urdu weekly, Jammu	3 13
3 Chand, Urdu weekly, Jammu	3 54
4 Hamdard, Urdu weekly, Srinagar	1 75
5 Khurshid, Urdu weekly, Jammu	2 38
6 Sach, Urdu weekly, Jammu	1 47
7 Sandesh, Urdu daily, Jammu	49 03
8. Transporter, Urdu weekly, Jammu	0 87
9. Jyoti, Urdu weekly, Srinagar	0 45
10 Payam-e-Inquilab, Urdu weekly, Srinagar	0 59
11 Rehnuma, Urdu weekly, Srinagar	0 69
12 Roshni, Urdu weekly, Srinagar	0 87
13 Insaf, Urdu weekly, Jammu	5 30
14. Jammu Sandesh, Urdu weekly, Jammu	1 16
15 Kashmir Post, English daily, Srinagar	13 43
16 Sher-i-Duggar, Urdu weekly, Jammu	0 61
17 Savera, Urdu weekly, Jammu	2 93
18 Ujala, Urdu weekly, Jammu	0 87
19 Khidmat, Urdu daily, Srinagar	10 00
Naya Sansar, Urdu daily, Srinagar	2 00

निर्यात व्यापार

२०६. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया** क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) (१) राष्ट्रमंडलीय देशों, (२) यूरोपीय साझा बाजार के देशों, (३) दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों, (४) पश्चिमी एशिया तथा (५) अफ्रीका के साथ होने वाले भारत के निर्यात व्यापार में, १९५५-५६ की तुलना में जो कमी आई है, उसके क्या कारण हैं, और

(ख) उन कारणों को दूर करने के लिये क्या-क्या प्रयत्न किये गये हैं ?

†[EXPORT TRADE

206 SHRI V M CHORDIA: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state.

(a) the reasons for decrease in the export trade of India with (i) Commonwealth countries, (ii) European Common Market countries, (iii) South East Asian countries, (iv) West Asia and (v) Africa in comparison to that in the year 1955-56; and

(b) what steps have been taken to remove those causes?]

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : ( ) १९५५-५६ की तुलना में १९६१-६२ में पश्चिमी एशिया और अफ्रीका को हुए हमारे निर्यात में वृद्धि तथा ब्रिटेन, राष्ट्रमंडल अन्य देशों, यूरोपीय साझा बाजार के देशों और दक्षिण-पूर्वी एशिया को हुए निर्यात में कमी हो गई है जैसा कि साथ में संलग्न विवरण से प्रकट होता है। कमी का कारण मुख्यतः किस्म के बारे में दूसरे देशों के साथ होने वाला प्रतिस्पर्धा तथा कुछ देशों द्वारा अपनी अर्थ-व्यवस्था के सम्बन्ध में किये गये नये तथा राक-टोक विषयक उपाय हैं।

†[ ] English translation

(ख) कई देशों के साथ व्यापार करार। व्यवस्थायें कर ली गई हैं। व्यापार सद्भावना-शिष्टमण्डलों को भी एक दूसरे के यहां भेजा गया है। व्यापार और तटकर की नीतियों में उपयुक्त परिवर्तन करा लेने के लिये 'गाट' के तत्वावधान में एवं दो पक्षों के बीच में बातचीत की गई है। भाड़े की रियायत, शुल्क की वापसी और कच्चे माल का संभरण जैसे उपायों द्वारा विशिष्ट वस्तुओं के निर्यात संवर्द्धन को प्रोत्साहन दिये गये हैं। देश तथा विदेश दोनों में ही जो उपाय करने की आवश्यकता है उनसे सम्बद्ध समस्याओं पर व्यापक रूप से कार्रवाई करने के लिये वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में एक अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार विभाग बना दिया गया है।

विवरण

क्षेत्रानुसार भारत का निर्यात

(लाख रुपये)

	१९५५-५६	१९६१-६२
१. राष्ट्रमण्डल के देश	२९,३२४	२८,५९८
(क) ब्रिटेन	१६,४३८	१५,९९५
(ख) अन्य	१३,४८६	१२,६०३
२. योरपीय साझा बाजार	५,५३१	५,१०४
३. दक्षिण-पूर्वी एशिया*	१०,८५०	१०,३०२
४. पश्चिमी एशिया**	३,१०३	३,२४४
५. अफ्रीका	४,४७४	५,६२७
योग	५८,४७१	९५,६८२

*इसमें शामिल हैं:— बर्मा, कम्बोडिया, लंका, चीन, मलाया संघ, फार्मोसा हांग कांग, इण्डोनेशिया, जापान, उत्तरी कोरिया, दक्षिणी कोरिया, उत्तरी बोर्नियो, पाकिस्तान, दक्षिणी वियतनाम, नेपाल, उत्तरी वियतनाम, मंगोलिया तथा जनवादी गणतन्त्र।

**इसमें शामिल है:— अदन, अफ़गानिस्तान, बहरीन द्वीप समूह, ब्रूनी, साइप्रस, ईरान, ईराक, इजरायल, कुवैत, लेबनान, मालदिव, मस्कत और ओमान, कतार और ट्रूसियल ओमान, सऊदी अरब, सीरिया और यमन।

†[THE MINISTER OF INTERNATIONAL TRADE IN THE MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI MANUBHAI SHAH): (a) There has been a rise in our exports in respect of West Asia, Africa and decline in our exports during 1961-62 as compared with those in 1955-56 in respect of U.K., other Commonwealth countries, ECM countries and South East Asia *vide* statements attached. The decline is due mainly to competition from other countries in quality as well as price and restrictive measures adopted by some countries in the context of their economies.

(b) Trade agreements|arrangements have been entered into with several countries. Trade-*cum*-goodwill delegations have also been exchanged. Negotiations have been taking place both under GATT and bilaterally to secure suitable changes in trade and tariff policies. Incentives to export promotion of specific commodities through measures like freight concessions, drawback of duty and supply

†[ ] English translation.

of raw materials have been afforded In order to deal with the problems comprehensively in respect of measures needed both at home and abroad, a Department of International Trade has been created in the Ministry of Commerce and Industry.

STATEMENT

Region-wise exports of India

	(Rs lakhs)	
	1955-56	1961-62
1. Common-wealth	29,924	28,598
(i) U K	16,438	15,995
(ii) Others	13 486	12,603
2 European common market	5,531	5,104
3. South East Asia*	10,850	10,302
4 West Asia **	3,103	3,244
5 Africa	4,474	5,627
TOTAL EXPORTS	58,471	65,682

*Includes—Burma, Cambodia, Ceylon, China, Federation of Malaya, Formosa, Hongkong, Indonesia, Japan, Korea North, Korea South, North Borneo, Pakistan, Viet Nam South, Nepal, Viet Nam North, Mongolian People's Republic

**Includes—Aden, Afghanistan, Bahrein Islands, Brunei, Cyprus, Iran, Iraq, Isreal, Kuwait, Lebanon, Maldives, Muscat and Oman, Qutar and Trucial Oman, Saudi Arabia, Syria and Yemen]

मुदालियर समिति की सिफारिशें

२०७. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया:** क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मार्च, १९६१ में आयात-निर्यात की नीति पर विचार करने के लिये श्री ए० रामस्वामी मुदालियर की अध्यक्षता में जो समिति बनी थी, उसकी कौन-कौन सी सिफारिशें (१) विचाराधीन हैं, (२) स्वीकृत कर ली गई हैं, (३) अस्वीकृत कर दी गई है तथा (४) संशोधित रूप में स्वीकृत की गई है, और

(ख) उपरोक्त भाग के (२) तथा (४) में निर्दिष्ट सिफारिशों पर अमल करने के लिये क्या-क्या कार्यवाही की गई है ?

†[RECOMMENDATIONS MADE BY MUDALIAR COMMITTEE

207 SHRI V M CHORDIA. Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the recommendations made by the Committee appointed under the Chairmanship of Shri A Ramaswamy Mudaliar in March 1961 to review the import-export policy which, (i) are under consideration, (ii) have been accepted, (iii) have not been accepted, and (iv) have been accepted in modified form; and

(b) what steps were taken to implement the recommendations referred to in (ii) and (iv) of part (a) above and when?]

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मंत्री (श्री मनुभाई शाह): (क) माननीय सदस्य का ध्यान उस संकल्प की ओर आकर्षित किया जाता है जो श्री ए० रामस्वामी मुदालियर की अध्यक्षता में नियुक्त की गई समिति की सिफारिशों के बारे में भारत के असाधारण गजट भाग १, खण्ड १, दिनांक ३१ मार्च, १९६२ में प्रकाशित हुआ है। इस संकल्प में स्वीकार कर ली गईं, अथवा संशोधित रूप में स्वीकार की गईं, या सरकार के विचाराधीन सिफारिशों अथवा अस्वीकृत सिफारिशों के बारे में अपेक्षित जानकारी दी गई है।

(ख) आयात नियन्त्रण सम्बन्धी जो सिफारिशें पूरे तौर पर अथवा संशोधित

†[ ] English translation